बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -15-10-2020**

विषय – हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज शब्द विचार के बारे में अध्ययन करेंगे।

योगरूढ़ शब्द- जो शब्द यौगिक होते हुए भी किसी सामान्य अर्थ को प्रकट न कर रूढ़ शब्दों की भांति किसी विशेष परंपरागत अर्थ को प्रकट करते हैं, उन्हें योगरूढ़ शब्द कहते हैं; जैसे

पीतांबर = पीत (पीला) + अंबर (वस्त्र)

पीला है वस्त्र जिसका अर्थात् श्रीकृष्ण।

नीलकंठ = नील (नीला) + कंठ (गला)

नीला है गला जिसका अर्थात् शिव।

प्रयोग के आधार पर शब्द-भेद

प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद होते हैं-विकारी और अविकारी शब्द।

विकारी शब्द- लिंग, वचन, काल या कारक के कारण जिन शब्दों के रूप में विकार अर्थात् परिवर्तन आ जाता है, वे विकारी शब्द कहलाते हैं। ये संख्या में चार हैं- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया।

संज्ञा बालक, बालिका, बालकों।

सर्वनाम वे, उनका, उन्हें।

विशेषण अच्छा, अच्छे, अच्छी।

क्रिया-आना, आए, आएगा, आओ।

अविकारी शब्द- जिन शब्दों पर लिंग, वचन, काल या कारक के बदलने पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, वे अविकारी शब्द कहलाते हैं। क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक तथा विस्मयादिबोधक अविकारी

शब्द हैं।

क्रियाविशेषण अब, यहाँ, अचानक, इतना।

संबंधबोधक के पीछे, के नीचे, के आगे।

समुच्चयबोधक और, अथवा, या, किंतु।

विस्मयादिबोधक अरे !, वाह !, शाबाश!

अर्थ के आधार पर शब्द-भेद

अर्थ के आधार पर शब्द के दो भेद होते हैं- सार्थक शब्द एवं निरर्थक शब्द।

सार्थक शब्द- जिस शब्द से किसी एक निश्चित अर्थ का बोध हो, उसे सार्थक शब्द कहते हैं, जैसे कलम, गाय इत्यादि। सार्थक शब्दों के चार प्रकार होते हैं- एकार्थी शब्द, अनेकार्थी शब्द, समानार्थी शब्द और विलोम शब्द।

• एकार्थी शब्द- एकार्थी अर्थात् ' एक अर्थ वाला'। जिन शब्दों का सामान्यतः केवल एक ही अर्थ होता है, वे एकार्थी शब्द कहलाते हैं; जैसे- कुर्सी, टेलीविज़न, कलम आदि।

० अनेकार्थी शब्द- अनेकार्थी अर्थात् ' अनेक अर्थ वाला'। जिस शब्द को वाक्य के भाव के अनुसार अलग-अलग अर्थ में प्रयोग करना संभव हो, तो वह अनेकार्थी शब्द कहलाता है; जैसे

गुण = खूबी, स्वभाव, रस्सी काल = समय, यमराज

कर्ण = कान, कुंती-पुत्र रक्त= सिंदूर, खून, लाल

पत्र = चिट्ठी, पत्ता, शंख कृष्ण = काला, वासुदेव

लिखकर याद करें।